

Brief Report

Committee of Waste management and Green Audit in association with Department of Botany and Geography, Nehru Gram Bharati (Deemed to be University), Prayagraj organise:

"Awareness Workshop for Carbon Neutrality; a sustainable Practices"

On Occasion of

World Environment Day (June 05-11, 2023)

About the Nehru Gram Bharati (Deemed to be University), Prayagraj:

Nehru Gram Bharti (Deemed to be University) occupies an esteemed place among the ruler universities of India for over decades now. Established on 27th June 2008, it is one of the promising institutes in the state of Uttar Pradesh situation at the bank of river Ganges. It was basically conceived by our 1 st Prime Minister of India, Late Pt. Jawahar Lal Nehru, who laid the foundation stone of Nehru Gram Bharti on 26 th July 1962 in the village of "Rishi Durvasha Ashram" Kotwa, Jamunipur, Dubawal Complex of his popular consultancy in Prayagraj district. His dream translated into to reality by Shri. J.N. Mishra, who had a clear vision and dedication to the cases of upliftment of ruler message through education. As on date, the campus has emerged as a prominent establishment of professional, technical education and traditional education for meeting the aspirations of youth from ruler as well as urban areas. To being with "Rajiv Gandhi Degree College" was established in the year 1996 and upgraded to "Rajiv Gandhi Post Graduate College" from the academic session 2000-01 which subsequently merge into the 'Nehru Gram Bharti (Deemed to be University)' in 2008-09 after University Grants Commission recommended to the Ministry of Human Resources and Development for granting it Deemed to be university status. The MHRD noticed vide its gazette Notification no: F.9-42/2005-43(A) dated as 27 th June 2008 bestowing the Deemed to be university status to Nehru Gram Bharti. University is composed of 6 campuses in encircling approximately 76 across of land spread over within a radius of about 5 km.

About the Programme:

The focuses on sustainable development in the direction of the biotechnology, bioprocessing as well as bioenergy for sustainable development. Specifically, the uses thermochemical/biological conversion to convert biomass from green cultivation, waste treatment and other organic solid waste into low-carbon energy and high-value chemicals to help achieve carbon neutrality.

Patrons:

Sri J.N. Mishra Prof. S.K. Srivastava Dr. S.C. Tiwari Honorable Chancellor NGB (DU) Vice- Chancellor NGB (DU) Pro Vice-Chancellor NGB (DU)

Organizing Secretary:
Dr. Sanjay Bharati
Department of Geography
Nehru Gram Bharati (Deemed to be University)

Co-convener:

Dr. Durgesh Nandani Goswami Department of Chemistry Nehru Gram Bharati (Deemed to be University) Convener:
Dr. Adi Nath
Department of Botany
Nehru Gram Bharati (Deemed to be University)

Co -Organizing Secretary:
Dr. Anita Singh
Department of Chemistry
Nehru Gram Bharati (Deemed to be University)

Organizing Committee

- 1. Dr. Rudra P. Ojha, Director, Research, NGB
- 2. Dr. Asheesh Shivam Mishra, Deptt. of Zoology, NGB
- 3. Dr. Archana Suhukla, Deptt. of Mathematics, NGB
 - 4. Dr. Vikram Singh, Deptt. of Physics, NGB
 - 5. Mr. Pradeep Upadhyay, Deptt. of Botany, NGB
 - 6. Dr. Shakti NathTripathi, Deptt. of Botany, NGB
 - 7. Dr. Dheeraj Pandey, Deptt. of Botany, NGB



Advisory Committee:

- 1. Prof. R.C. Tripathi, Prof. Incharge R&D, NGB
- 2. Prof. Rohit Ramesh, Dean, Faculty of Management, NGB
 - 3. Sri R.L. Vishwakarma, Registrar, NGB
- 4. Dr. Prabuddha Mishra, Director, Jamunipur Campus, NGB
 - 5. Dr. Asheesh Shivan, Dean, Faculty of Science, NGB
 - 6. Dr. S. S. Mishra, Director IQAC, NGB
 - 7. Dr. R.C. Mishra, Head, Dept. of Political Science, NGB
 - 8. Dr. Himanshu Tandon, Joint Registrar, NGB

Activities Detail:

Monday, 05TH June, 2023

		Nehru Gram Bharati Deemed to be University Research Centre Shashi Campus, Prayagraj
	IZ.UU NOOH	IL1-Prof. H.N. Misra, Professor and Ex-Head, Department of Geography, University of Allahabad, Prayagraj
	1:00PM	Plantation Programme in the Leadership of Department of Teacher Education

06TH JUNE 2023 Hnd Day

I V CHUC	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
Theme	Bio-deterioration
11:45am-12:30 pm	IL1 – Prof. D.K. Chauhan, Ex-Head, Deptt. of Botany, University of Allahabad, Prayagaraj
	IL 2- Dr. N.B. Singh, Deptt. of Botany, University of Allahabad, Prayagaraj
12:30 pm	Plastic free practices

07TH JUNE, 2023, III Day

	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
	Bio-degradation
11:45am-12:30 pm	IL1 – Dr. Rudra P. Ojha, Director Research, NGB(DU)
12:30 PM	Clean Ganga practices, plogging drive

08TH June, 2023 IV th Day

Venue	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
Theme	Bio-fuel, Biohydrogen, Biomethanol, Biomethanol production
011:45am -12:30noon	IL-1 Dr. Adi Nath, Department of Botany, NGB(DU)
01:00pm	Weed management practices



09TH June , 2023 (V Day)

0) June (12020 (1204))	
Venue	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
Theme:	Natural, Synthetic or refined materials such as metals, hydrocarbons and oils, foodstuffs and beverages
11:45am - 12:30noon	IL-1Dr. Asheesh Shivam, Dept. of Zoology, NGB(DU)
01:00pm	Bio-remediation, Bio-magnification and Bio-augmentation practices

10TH June, 2023 (VI Day)

	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
03:00 PM	Save Soil and Water Conservation; a pledge (Sankalp)

11TH June, 2023 (VII Day)

Venue	Nehru Gram Bharati Deemed to be University, Department of Botany, Research Laboratory, Prayagraj
Theme:	Biomass, Bio-energy, Bio-products, Corrosion, fouling, rotting, decay, Infection, disfigurement, toxification, weakening or processes that liquefy, detoxify, or mineralize
11:45am - 12:30noon	IL.1 Dr. Sanjay Singh, Department of Physics, NGBDU
	IL. Dr. Arvind Pandey, Department of Chemistry, NGB(DU)
01:00pm	Bio waste management practices and Waste water treatment practices

Media Coverage:





दिखे विश्वविद्यालय को डॉ. जु सीला , सामाजिक













कार्यक्रम हुआ संपन्न

तीर्थराज टाइम्स

प्लास्टिक के प्रयोग नकारना , प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग करके वैश्विक उष्णन ,वैरिवक वातावरणीय परिवर्तन को कम किया जा सकता है– डा. आदिनाथ



नता मानित वार करने हेतु वार करवावा पावत पूर्वेदासम पार्च साहित व्यक्तिक संबंध नाम पारत्या योगाना वार्यामा वार्

प्लास्टिक संचयन के लिए सघन प्रशिक्षण अभ्यास करवाया गया सात दिवसीय पर्यावरण संरक्षण



नेहरू ग्राम भारती मानित चलाकर योगानंद आश्रम से श्वविद्यालय के अपशिष्ट प्रकं मंगोली शिवाला तक प्लास्टिक

समस् है जय तक प्रकृति के सभी पर्यक्रिया ज्ञान सुवास्त्र रूप में रही? बुद्ध कास्त्रस्य पर अपन्य में रही? बुद्ध कास्त्रस्य पर अपन्य हैं. आदि नाम ने ने बताया कि काईन तटस्थता हेतु जीव उपपाद, जीव नियाजा, जीवकार, वर्षियानमंत्रस्य , जीवकार, सहायक संस्त्रस्य , जीवकार, संस्त्राक्त के स्वत्रम्य , अपना , संस्त्रमंत्रस्य करने, वृष्टित का उपयाद, जल की गुणवाता

पिगंका गांधी की कार्यका में गरि

सात दिवसीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

नेहरू ग्राम भारती मानित गया। महंत योगानंद आश्रम विश्वविद्यालय के अपशिष्ट प्रबंध स्वामी श्री चिद्घानानंद ान व हरित लेखांकन समिति था वनस्पति विज्ञान विभाग व भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे सात दिवसीय विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक प्रशिक्षण प्रोग्राम में आज अंतिम दिन समापन समारोह कार्यक्रम के अवसर पर आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भारत सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम प्लॉगिंग आश्रम से गंगोली शिवाला तक प्लास्टिक के साथ विविध प्रकार के अपशिष्ट को संकलित कर नाथ गुरुजी ने बताया कि देवी क्षय करने हेतु डंप करवाया कवच के श्लोक

गिरी, प्रमुख ट्रस्टी योगानंद डॉ. नरेंद्र नाथ गुरुजी, न्यायाः शिश पवन तिवारी, नमामि गंगे के प्रांतीय संयोजक राजेश शर्मा जी, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. शु सीला जी, सामाजिक कार्यकर्ता शिव जी. कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय भारती, डॉ. शक्ति नाथ त्रिपाठी, सह समन्वयक डॉ. नंदिनी समन्वयक डॉ. नंदिनी गोस्वामी,इफको के जानेंद्र तिवारी,रामेश्वर नाथ तिवारी, ए आर पी भदोही के पावन सानिध्य में मुहिम को मूर्त रूप प्रदान किया गया। डॉ. नरेंद्र

यावत भमंडलम धत्ते संजैल वन काननं। तावत तिष्ठति मेदिन्यः संतति पुत्र पौत्रिकी ।। अर्थात देवी जी मानव मात्र

की कल्याण करने में तभी तक समर्थ है जब तक प्रकृति के सभी पर्यावरणीय अंगा सुचारू रूप में रहेगें। आज सातवें दिन योगानंद आश्रम के छात्रों के सहयोग से प्लास्टिक संचयन के लिए सधन प्रशिक्षण अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर श्री राम भजन याद्व, अंशुमान् दुबे, ऋषिराज सहित सैकड़ों छात्रध्छात्रा सम्मिलित रहे मीडिया प्रबंधन का दायित्व श्याम सुंदर सिंह पटेल ने

धरणिय विकास हेतु बौद्धिक जागरूकता ही पर्यावरणीय संरक्षण का सर्वोच्च जागरूकता का साधन-प्रो. एच. एन. मिश्रा



नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में आज दिनांक 05.06.2023 के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप साप्ताहिक जागरूकर वर्तन विषय पर दृष्टिपात करते हुए बताया कि पर्यावरण के प्रति लोगों को नृतन गोध और शब्दाव ली से परिचित कराना ही शिक्षणिक लोगों का परम कर्तव्य होत

उपसंपादक

कार्यकारी संपादक

महाराष्ट्र ब्युरो क्राईम रिपोर्टर

: अनिल विश्वकर्मा

सशिता मारती वाचमारे

राहस विश्वकर्मा, राहस पाँडे,

जमुनीपुर कैंपस तक निकाली गई। बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम करवाया गया। ्रमुख्य स्विदेश अर्जुन, राजरामी, अलुबीग, इंटबेला, गुड़हल, अगेब हत्सादि पीधों का रोपण किया गया। आत के टीर में दुषित जल शुद्धिकरण, जल संबर्धन, मुदा संरक्षण, जैविक उत्पाद का प्रयोग, जैवाउपचार, विविध प्रकाश के अपनिष्ट का निस्तारण, प्राकृतिक संसाधनों का समृचित उपयोग, प्लास्टिक के निमारण तथा प्लास्टिक रहित वातावरण की ओर रहते के साथ रामार्थनिक धातुओं के जंग, जैव निर्माकरण, जैवस्थ्यकर को आधुनिक विधियों पर प्रकार छला गया तथा अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का संचालन क्षें आदि नाथ, विभागाध्यक्ष वनस्पति ने किया। ध्य्यवाद ज्ञापन त चारान व आधा भार, (चमात क्या चमाराधा ने (कमा) वर्षण्या आपना संकाराध्यक्ष केत्र करायाण इकीक दुं छावा मारावाचीय ने किया। इस अवसर पर डॉ. संबय भारती, डॉ. दुगैंका नॉटिनी गोस्थामी, डॉ. असीता सिंह, डॉ. बेरींट्र मणि विसादों, डॉ. ऑभिवात ओहा, डॉ. शक्ति नाथ विसादी, डॉ. विषणु सुकता, डॉ देव नारायण पाठक, डॉ रमेश मिश्रा, डॉ श्रवण मिश्रा, डॉ साधना त्रिपाठी, एम भजन यादब, ऋषिराज सहित सँकडों छात्रों ने सहभागिता प्रदान की।

पालघर, बुधवार १४ जून से २० जून २०२३

प्लास्टिक के प्रयोग नकारना, प्राकृतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग करके वैश्विक उष्णन,वैस्विक वातावरणीय परिवर्तन को कम किया जा सकता है– डॉ. आदिनाथ

संपादकीय / ग्रामिण समाज

लखनऊ गोलीकांड अपडेट, ये शुटर भी

अतीक के शूटर्स की तरह का बैक ग्राउंड वाला निकला, बाप किसान, 4 भाई हैं

कार्यशाला में ई-अपशिष्ट प्रबंधन की दी जानकारी

झुंसी। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में चल रहे सात दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन सोमवार को सहायक आचार्य, पर्यावरण विज्ञान डॉ. अभिषेक भारद्वाज ने कहा कि नैनो टेक्नोलॉजी आधारित ई-अपशिष्ट प्रबंधन का व्यापक अनुप्रयोग है। इस नैनो मैटेरियल की दक्षता सूक्ष्म जीव के प्रति बहुत प्रभावी हैं। डॉ. शक्तिनाथ त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप उपाध्याय, डॉ.धीरज पांडेय, डॉ. अनीता सिंह तथा डॉ. आदिनाथ ने तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों को पुल्स अम्प्ली ट्यूड मॉड्यूलर तकनीक के बारे में बताया। संवाद



















